यूपीटीटीआई के वशिेषज्ञों ने पराबैंगनी करिणों से बेअसर कपड़ा बनाया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान **(UPTTI)** के वशिेषज्ञों ने एक ऐसा कपड़ा तैयार कयि है, जसि पर धूप एवं पराबैंगनी करिणों का कोई असर नहीं होता।

प्रमुख बदिु

- यह कपड़ा दक्षणि अफ्रीका में पैदा होने वाले पौधे से प्राप्त होने वाले **बायो-पॉलीमर लगिननि से तैयार नाइलॉन से बना है।**
- यह कपड़ा लोगों को तेज़ गर्मी से भी राहत देगा और शरीर के लयि भी आरामदायक होगा।
- **UPTTI** ने इस रसिर्च को पोलैंड के जर्नल में प्रकाशति करवाया तथा इस तकनीक के पेटेंट के लयि भी आवेदन कयि है।
- उल्लेखनीय है कि दक्षणि अफ्रीका में **बायो-पॉलीमर लगिननि का उपयोग भवन और सड़क नरि्माण में कयि जाता है** लेकनि **UPTTI** के वशिेषज्ञों ने इसका उपयोग पहली बार टेक्सटाइल में कयि है।
- यह तकनीक कपड़ों में उपयोग हो रही डाई से 1/3 गुना सस्ती है। डाई मानव शरीर को भी हानि पहुँचा सकती है लेकनि इस तकनीक से बने कपड़े मानव उपयोग के लयि पूर्णत: सुरक्षति हैं।
- इस तकनीक को प्रो. अरुण सहि गंगवार ने प्रो. प्रशांत वशि्नोई के सहयोग से वकिसति कयि है।
- ज्ञातव्य है कि पराबैंगनी करिणों से सन बर्न, शरीर में दाने, स्कनि कैंसर एवं अन्य अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इस तकनीक के वकिास से ये समस्याएँ कम की जा सकती हैं।
- प्रो. गंगवार के अनुसार, कपड़े की पराबैंगनी करिणों को अवशोषति करने की क्षमता अल्ट्रा वायलेट प्रोटेक्शन पैक्टर **(UVPF)** पर नरि्भर रहती है। **UVPF** 15 से 24 के बीच अच्छा, 25 से 39 के बीच बहुत अच्छा एवं 40 से 45 के बीच श्रेष्ठ माना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uptti-experts-made-fabric-neutralized-with-ultraviolet-rays